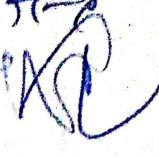
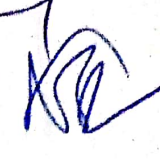
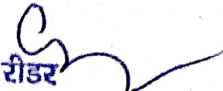



पेशा क्रिया / दफ्त शक्ति हो / गाल
पेशा क्रिया / दफ्त शक्ति हो / गाल
कुतवाइ दि० 23-8-19 को पेशा हो। 


26-8-19 आवकाश होने हे आज पेशा हो
कान्ते भोले दि० 6-9-19 को पेशा हो। 

6-9-19 पत्रावली पेशा हुई। पी.ओ. साहब आवकाश दिखिं
अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पधारें हैं।
उभयपक्ष के अभि.उप. आवकाश दिनांक... 13-9-19
को पेशा हो।


रीडर

13-9-19 पत्रावली पेशा हुई। पी.ओ. साहब आवकाश पट है।
अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पधारें हैं।
उभयपक्ष के अभि.उप. आवकाश दिनांक... 27-9-19
को पेशा हो।


रीडर

27-9-19 पत्रावली पेशा हुई। आवकाश
होया किना जाया है। निम्न
प्रथम हे शक्ति क्रिया पत्रावली
मेहनत शुरू होकर शक्ति
रिकार्ड हो। 

अध्यापित द्वारा :- श्री सुरेन्द्र प्रसाद [आर.ए.एस.]

प्रा. पत्र सं.
49

प्रवेश तिथि
26-8-19
उ नवान

निर्णय तिथि
27-9-19

1- सरकार जयें तहसीलदार [लेण्डहोल्डर] किशनगढ़-बास जिला अलवर :-प्राधी

बनाम

1- अजमत, जहान, मौजा, मजला पुत्रान महाराव मेव निवासी कुटियापुर
तहसील किशनगढ़-बास जिला अलवर :-अप्राधीगण

प्रा. पत्र धारा 136 एल.आर.एक्ट

पत्रावली पेश हुई। प्रकरण के तूख म वृत्तान्त निम्न प्रकार से हैं :-
तहसीलदार किशनगढ़-बास ने प्रा. पत्र पेश किया कि ग्राम कुटियापुर के मिलास
क्षेत्र जमाबन्दी में ख. नं. 248 व 249 का रकबा एक बार [यानि] 0.27 है। [दर्ज
है परन्तु नक्शों में पुरता लाईन डालकर अलग अलग ख. नं. नक्शों में दर्जित है दोनो
नम्बरान एक ही खाते में संयुक्त खातेदारी में दर्ज है। मात्र रिकार्ड दुरुस्ती हेतु
रकबा अलग अलग किया जाना है। अतः ख. नं. 248/0.13 व 249/0.14 दर्ज करने
के आदेश दिया जाना उचित है।

प्रा. पत्र प्रस्तुत होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्राधीगण को
जरिये नोटिस तलब किया गया। अप्राधीगण ने जबाब पेश कर इस तथ्य को स्वीकार
किया कि दोनों नम्बरान का रकबा पृथक् पृथक् दर्ज किया जाता है तो हमें कोई
आपत्ति नहीं है।

हमने प्रस्तुत राजस्व रिकार्ड एवं पटवारी हल्का की रिपोर्ट का अवलोकन
किया रिपोर्ट व अप्राधीगण के जबाब अनुसार प्रा. पत्र स्वीकार किया जाना उचित
प्रतीत होता है।

अतः आदेश है कि :-

प्रा. पत्र स्वीकार किया जाकर तहसीलदार किशनगढ़-बास को आदेश दिये
जाते हैं कि ग्राम कुटियापुर की जमाबन्दी हाल में रकबा दुरुस्त कर ख. नं. 248/
0.13 व 249/0.14 दर्ज किये जाने के आदेश दिये जाते हैं। निर्णय की प्रति
पालनार्थ तहसीलदार किशनगढ़-बास को भेजी जावे। पत्रावली फंसल गुमार होकर
द्राखिल रिकार्ड हो। निर्णय जुले न्यायालय में सुनाया गया।

उपपट्टाधिकारी
किशनगढ़-बास [अलवर]